हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शुक्रवार 30 जनवरी 2026

11 हथियार ही नहीं, टैरिफ भी बना युद्ध का माध्यमः कुलपति

12 परोपकार करने वाले मृत्यु के बाद भी लोगों के...

लॉजिस्टिक हब में जमीन देने वालों के उठेंगे सुर!

कार्यक्रम शहीद प्रतिमा अनावरण का, भाषण में एम्स जमीन मुआवजा के साथ एससीओ का कर गए जिक्र

- मंडलाना कार्यक्रम में बोले राव इंद्रजीत सिंह...एम्स में जमीन मुआवजा दिलाने के साथ किसानों को रोजगार के लिए दिलाया एससीओ

सतीश सैनी ⏭ नारनौल

गांव मंडलाना में शहीद जगमाल सिंह की प्रतिमा का अनावरण वीरवार हुआ। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह अतिथि के रूप में पहुंचे थे। भाषण कुछ समय के लिए तो शहीद कार्यक्रम के तौर पर रहा, फिर इसे फिलहाल चल रहे राजनीति समीकरण की तरफ भाषण में मोड़ दिया गया। राव इंद्रजीत सिंह ने स्पष्ट कहा कि हमने एम्स की जमीन का मुआवजा दिलाया। साथ ही रोजगार साधन के रूप में जिस किसान की जितनी जमीन गई, उसी हिसाब से उसे एससीओ भी दिलाया। एम्स के अलावा कहीं जमीन मुआवजे के साथ रोजगार साधन मुहैया करवाएं गए या नहीं। उन्हें नहीं पता। उनका यह इशारा लॉजिस्टिक हब को लेकर माना जा रहा है। उनके इस राजनीति भाषण से लॉजिस्टिक हब में जमीन देने वाले किसानों के सुर रोजगार साधन मुहैया करवाने के लिए उठ सकते है। अगर ऐसा हुआ तो एक बार फिर से पूर्व मंत्री डा. अभय सिंह यादव को राजनीति तौर पर घेरने का प्रयास हो सकता है।

भाषण में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि मंच से एम्स का जिक्र हुआ। एम्स यहां बनेगी या नहीं बनेगी और आठ साल बीत गए। मैं कारण भी पता देता हूं। पहले मनेठी गांव ने जमीन तजबीज कर दी। कहा हमारी 200 एकड़ जमीन ले लो। यहां एम्स बना दो। मैंने कहा बहुत बढिया मुफ्त में दे रहे है बनाओ। फाइल चल पड़ी। ऊपर से टीम आई। डॉक्टर भी आए। फोरेस्ट वाले भी आए। बड़े बड़े अफसर आए। उन्होंने कहा कि यहां क्या कर रहे हो यह तो फोरेस्ट की जमीन है। एनजीटी सुप्रीम कोर्ट प्रॉब्लम डालेंगे। यह कैसे बनेगी। जब वहां नामंजूरी हुई, तब वहां मनोहरलाल जी ने कहा कि यह तो गलत करवा लिया। ऐसी जगह तजबीज कर दी जहां फोरेस्ट की जमीन है। वहां बन ही नहीं सकता। उस टाइम बगल वाले माजरा गांव वाले मिले और बोले कि हम जमीन दे देंगे और उन्होंने अपनी जमीन दी। सुनिश्चित दाम तय करके उनकी जमीन दी। जिन लोगों ने जमीन दी, उन हरएक को जमीन जितनी दी थी, उस हिसाब से मैंने एक एससीओ दिलवाया। एससीओ। समझते हो। सलाहमश्वरा के बाद जमीन दी जाती है। ओर जगह जमीन 2014 के बाद मुझे नहीं पता कहीं रोजगार का साधन जमीन से वंचित करने के बाद मिला या नहीं मिला, लेकिन मैंने अपनी तरफ से माजरा वालों को जिन्होंने हमारी मुंछ बचाई थी, उन सभी जमीन देने वालों को एससीओ लेकर दिया ताकि उनकी पौते तक कमाई कर सके।

नारनौल। शहीद की प्रतिमा का अनावरण करते केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह। फोटोः हरिभूमि

राव इंद्रजीत के मंच को कमलेश सैनी ने भी किया सांझा

गांव मंडलाना में शहीद की प्रतिमा अनावरण का कार्यक्रम था। इसी मंच पर केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह मुख्य अतिथि और विधायक ओमप्रकाश यादव अध्यक्षता के तौर पर मौजूद थे। इसी मंच को नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी ने भी सांझा किया। जब राव इंद्रजीत सिंह ने अपना भाषण शुरू किया तो कमलेश सैनी का नाम नहीं लिया, केवल नगर परिषद की प्रधान कहकर संबोधित किया। हालांकि उनके बाद अन्य नाम लेने की बजाय पदों का ही जिक्र किया। वहां बैठे लोग और बाद में इस मंच सांझा की चर्चा शुरू हो गई। आपको बता दें कि जब नगर परिषद के चुनाव पार्टी टिकट पर हुए थे तो भाजपा प्रत्याशी संगीता यादव पत्नी बाबूलाल पटीकरा का समर्थन राव इंद्रजीत सिंह ने किया और उन्हें टिकट दिलाई। भाजपा के इसी उम्मीदवार को टक्कर जेजेपी छोड़ निर्दलीय उम्मीदवार कमलेश सैनी ने दी और एकतरफा जीत हासिल की थी।

एमडीयू रोहतक को ही बनाना चाहते थे सेंट्रल यूनिवर्सिटी

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि यहां पर जिक्र आया महेंद्रगढ़ के अंदर सेंट्रल यूनिवर्सिटी का। जो मेरी उम्र के है उन्हें याद होगा। अर्जुन सिंह जी हमारे एजूकेशन मिनिस्टर हुआ करते थे। चर्चाएं चली कि इसे रोहतक यूनिवर्सिटी को ही सेंट्रल यूनिवर्सिटी ही डिक्लेयर कर दी जाए। मैं अर्जुन सिंह जी को लेकर आया था। उन्हें कहा कि यह हमारा बैकवर्ड एरिया है। मैं जब पहली बार एमएलए बना था। उस वक्त जो भी सरपंच अनपढ़ हो या पढ़ा लिखा हो, सबसे पहले उनकी एक ही डिमांड होती थी कि हमारे गांव का स्कूल अपग्रेड करो। हमारी बच्चियों के लिए गर्ल्स स्कूल अलग से करो। पराए गांव के पराएं स्कूल में हमारे गांव के बच्चे नहीं जाएंगे। लोगों की मांग रही है कि हमारे बच्चे पढ़े। आज के दिन पढ़ाई दशकों से हो रही है, उसी पर छाप लगाकर आप रोहतक को तो कुछ दे दोंगे लेकिन हमें वंचित क्यूं करोंगे। हम भी तो सरकार बनाने के अंदर हिस्सेदार है। महेंद्रगढ़ अर्जुन सिंह जी आएं थे और उन्होंने वहां सेंट्रल यूनिवर्सिटी स्थापित की थी।

तीन माह के अंदर नसीबपुर शहीद स्मारक का शुरू होगा काम

राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि अंबाला के अंदर शहीद स्मारक का उद्घाटन हो जाएगा। अंबाला व नसीबपुर दोनों का एक ही टाइम पर ऐलान किया था। हरियाणा में जहां शहादत दी है, वो दो अव्वल जिले है। एक नसीबपुर और दूसरा अंबाला। अंबाला के अंदर तो काम शुरू हो गया लेकिन नसीबपुर के अंदर काम शुरू नहीं हुआ है। आज मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है, ओमप्रकाश यादव के प्रयासों से जब वह मंत्री थे और उसके बाद जो हमारे बढ़िया संग्रालहय बनाने के लिए जमीन नहीं मिली थी, उन्होंने वह जमीन अदला बदली करवाई। अब तीन महीने के अंदर अंदर उम्मीद करता हूं नसीबपुर शहीद स्मारक का काम शुरू हो जाएगा।

खबर संक्षेप

ओलावृष्टि का तत्काल दिया जाए मुआवजा

मंडी अटेली। इस सप्ताह में बारिश एवं जिले में ओलावृष्टि से खेतों में खड़ी फसल पूरी तरह से बर्बाद हो गई है। सरसों की फसल को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। घाटे की मार झेल रहे किसानों पर दोहरी मार पड़ी है। यह विचार व्यक्त करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेंद्र सिंह राता ने सरकार से ओलावृष्टि पीड़ित किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने बताया कि ओलावृष्टि से नारनौल एवं जिले के अन्य गांवों में किसानों को भारी नुकसान हुआ है।

महिला से मारपीट करने के आरोप में एक नामजद

कनीना। खंड के गांव खेड़ी में एक व्यक्ति द्वारा घर में घुसकर महिला के साथ मारपीट करने के आरोप में कनीना सदर थाना पुलिस ने केस दर्ज किया है। बुधवार सायं करीब पांच बजे जब वह अपने घर में काम कर रही थी तब गांव का ही एक व्यक्ति आया और उसका हाथ पकड़ लिया। महिला ने हाथ छुड़ाने की कोशिश की तो उसने मारपीट की, महिला ने भी मारपीट का जवाब दिया। उसके बाद पीड़िता ने शीघ्र ही 112 नम्बर पर कॉल कर घटना की सूचना पुलिस को दी। आरोपित व्यक्ति की पहचान संदीप उर्फ बिगड़ा के रूप में हुई है।

दो दिवसीय रविदास जयंती समारोह कल

नांगल चौधरी। संत शिरोमणि रविदास की 649वीं जयंती के अवसर पर रविदास आश्रम में दो दिवसीय जागरण एवं भजनोपदेश समारोह का आयोजन किया जाएगा। कमेटी की प्रवक्ता ज्योति ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन डॉ. भीमराव आंबेडकर सेवा समिति के तत्वावधान में होगा। 31 जनवरी की शाम सात बजे नलापुर मोहल्ले में स्थित रविदास आश्रम में सत्संग का शुभारंभ होगा। एक फरवरी को शहर में भव्य शोभायात्रा व झांकियों के साथ नगर भ्रमण निकाला जाएगा।

भगवान की भक्ति और प्रेम का दिया संदेश

मंडी अटेली। बाबा दाता साहब आश्रम नावदी में महंत बालकदास के सानिध्य में चल रही सात दिवसीय कथा के चौथे दिन कथा वाचक आरती किशोरी ने भक्त प्रह्लाद के चरित्र के माध्यम से भगवान की भक्ति और प्रेम का संदेश दिया। कथा में बताया कि भक्त की रक्षा के लिए भगवान किसी न किसी रूप में अवश्य धरा पर अवतरित होते हैं। नरसिंह अवतार की कथा सुनकर भक्तों की आंखें नम हो गईं। इस अवसर पर महंत बालकदास ने भक्तों को आशीर्वाद दिया और सामाजिक कार्यकर्ता अशोक नावदी ने कथा के महत्व पर प्रकाश डाला।

स्कॉर्पियो में सवार होकर आए थे हमलावर, जाते वक्त धमकी दी कि अभी तो एक ही मर्डर हुआ है, पांच और मार दें तो भी सजा उतनी ही मिलेगी

मृतक के भाई की शिकायत पर हत्या का केस, दो गिरफ्तार

कुआं पूजन में गए युवक की गोली मारकर हत्या

वारदात की सूचना मिलते ही बहरोड़ पुलिस मौके पर पहुंची और शव कब्जे में लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

गांव मांदी से पड़ोसी राजस्थान के गांव भगवाड़ी कलां में कुआं पूजन कार्यक्रम में भाग लेने गए युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। हमलावर स्कॉर्पियो में सवार होकर आए थे और जाते वक्त उन्होंने धमकी दी कि अभी तो एक ही मर्डर हुआ है। पांच और मार दें तो भी सजा उतनी ही मिलेगी। वारदात की सूचना मिलते ही बहरोड़ पुलिस मौके पर पहुंची और शव कब्जे में लिया। पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर दो युवकों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करते हुए उन्हें गिरफ्तार भी कर लिया।

जानकारी के अनुसार गांव मांदी निवासी लोकेश (21 वर्ष) गांव के ही देवांश के साथ उसके चाचा सुनील के बेटे के कुआं पूजन कार्यक्रम के लिए भगवाड़ी गांव में गया था। रात को कार्यक्रम खत्म होने के बाद परिवार के लोग आपस में बात कर रहे थे। उसी दौरान प्रोगाम स्थल के बाहर से गाली गलौज की आवाज सुनाई देने लगी। आवाज सुनकर लोकेश और देवांश बाहर गए। बाहर देखा तो भगवाड़ी कलां निवासी सोनू शर्मा और उसका साला नीमराना क्षेत्र के गांव तलवाना निवासी गौरव गाली-गलौच कर रहे थे। देवांश ने

आरोप लगाया कि इसी दौरान सोनू शर्मा ने पिस्तौल निकाल ली और फायर कर दिया। गोली लोकेश के सीने में लगी। दूसरी गोली गेट पर जाकर लगी। सोनू ने देवांश पर भी फायरिंग की, लेकिन वह बच गया। इसके बाद सोनू और गौरव स्कॉर्पियो गाड़ी में सवार होकर फरार हो गए। लोकेश को तुरंत अस्पताल लेकर गए, वहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। देवांश ने आरोप लगाया है कि हत्या के बाद देर रात सोनू और गौरव दोबारा गांव आए। उन्होंने घरों के दरवाजे पीटे, फायरिंग की और लोगों को जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। इनकी धमकियों के बाद गांव-वाले पूरी रात नहीं सो पाए।

स्कॉर्पियो व हथियार बरामद

बहरोड़ के डीआईजी देवेंद्र कुमार ने बताया कि टीम की कार्रवाई हुए 12 घंटे के अंदर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना में इस्तेमाल स्कॉर्पियो और एक हथियार भी बरामद किया गया है।

आरोपी सोनू के खिलाफ पहले भी तीन मामले दर्ज हैं। गौरव के खिलाफ पहले कोई मामला दर्ज नहीं है। अभी जांच जारी है। जांच के बाद ही पता चल पाएगा कि फायरिंग की असली वजह क्या थी। बता दें कि लोकेश के पिता संजय की वर्ष 2012 में पीट-पीटकर हत्या की गई थी। लोकेश की बहन शादीशुदा है। अब घर में अकेली मां रह गई है।

जमीनी विवाद में बुजुर्ग पर कुल्हाड़े से वार कर किया बुरी तरह जख्मी

नारनौल। बीती रात गांव रघुनाथपुरा में जमीनी विवाद के चलते एक बुजुर्ग पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया। हमलावर दो गाड़ियों में सवार होकर आए थे। हमलावरों ने पहले तो बुजुर्ग पर बेरहमी से कुल्हाड़े से वार किए और मरा हुआ समझकर सड़क पर फेंककर फरार हो गए। गंभीर हालत में परिजन बुजुर्ग को नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उन्हें उपचार के लिए भर्ती कर लिया गया। रघुनाथपुरा निवासी बुजुर्ग सतीश बुधवार रात खाना खाने के बाद घर से पास स्थित अपने प्लॉट की ओर जा रहा था। तभी घात लगाए बैठे बदमाशों ने अचानक उन पर हमला कर दिया। उन्होंने कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार किए, जिस पर सतीश के सिर, हाथ और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें लगी। बाद में हमलावर बुजुर्ग को मरा हुआ समझकर मौके से फरार हो गए। जब परिजनों को इस हमले का पता चला, वे शीघ्रता से घायल बुजुर्ग को उपचार के लिए अस्पताल लेकर आए। बुजुर्ग के पोते शुभम ने बताया कि परिवार का आरोपितों के साथ लंबे समय से जमीनी विवाद चल रहा है। इससे पहले भी वह उसके मां, पिता और दादा के साथ मारपीट कर चुके हैं। पिछले छह महीनों में कई बार विवाद और झगड़े हो चुके हैं, जिसकी शिकायत पुलिस को दी गई, लेकिन कड़ी कार्रवाई नहीं हुई, जिस कारण उनके हौसले बुलंद हैं। परिजनों के अनुसार हमलावरों में कर्मवीर, बीमला, दिव्या और उनके भांजे विकास सहित अन्य लोग शामिल हैं। शुभम ने आरोप लगाया कि आरोपित खुलेआम गांव में घूम रहे हैं और उन्हें पुलिस या कानून का कोई डर नहीं है। परिवार को जान से मारने और पूरे परिवार को खत्म करने की धमकियां भी दी जा चुकी हैं। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए आरोपितों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। घायल बुजुर्ग का नागरिक अस्पताल में इलाज चल रहा है, उनकी हालत गंभीर बनी हुई हैं।

नारनौल। अस्पताल में उपचाराधीन बुजुर्ग। फोटो: हरिभूमि

नारनौल। चोरी उपरांत मकान में बिखरे पड़े कपड़े। फोटो: हरिभूमि

गोद में दिनदहाड़े ताले तोड़कर जेवरात एवं 1 लाख कैश चोरी

- *पुलिस ने फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट को भी मौके पर बुलाया*
- *पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया*

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

चोरों ने जिले की सीमा पर स्थित गांव गोद में दिन-दहाड़े लाखों के जेवरात एवं नकदी की चोरी कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पीड़ित हरमेंद्र ने बताया कि उसकी पत्नी और बेटी कपड़े लेने के लिए नारनौल गई हुई थीं, जबकि वह दोपहर करीब 12 बजे गांव में ही किसी काम से गया था और घर पर कोई मौजूद नहीं था। तभी दोपहर करीब ढाई बजे जब वह वापस घर लौटा तो देखा कि घर का मुख्य गेट खुला पड़ा है। अंदर कमरे में लोहे की अलमारी और संदूक के ताले टूटे हुए थे और सारा सामान बिखरा पड़ा था।

उन्होंने बताया कि अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात, जिनमें एक जोड़ी सोने की झूमकी, टॉप्स, सोने की चेन, कानों के बाले व बालियां, एक लांग, चांदी की पांच जोड़ी पायजेब वहां से गायब थे। इतना ही नहीं, वहां रखे एक लाख रुपये की नकदी भी गायब थी। इस पर उसने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर गहली चौकी से हेड कॉन्स्टेबल सुरेन्द्र सिंह व सिपाही नवीन कुमार घटनास्थल पर पहुंचे और जायजा लिया। इसके बाद पुलिस ने फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट को भी मौके पर बुलाया गया, जिन्होंने घर के अंदर निरीक्षण किया और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने हरमेन्द्र की शिकायत पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत केस दर्ज किया है।

दफ्तरों में भटकने को मजबूर खरीददार

नपा गठन से पहले निर्मित दुकानों की रजिस्ट्री तहसील कार्यालय में अटकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

नगर पालिका गठन से पहले निर्मित दुकान, मकान व शॉपिंग कॉम्प्लेक्स यथा स्थिति में स्वीकृत कर लिए। नपा कार्यालय ने दुकानों के विभिन्न चार्ज वसूल करके खरीद व बिक्री करने की एनओसी रिलीज कर दी, लेकिन तहसील कार्यालय ने स्वीकृत नक्शे की आपत्ति लगाकर दुकानों की रजिस्ट्री करने से इंकार कर दिया। अब नपा के अधिकारी पुराने मकानों के नक्शे बना नहीं रहे और तहसील कार्यालय बिना नक्शा जमा किए रजिस्ट्री नहीं कर रहा। ऐसे में खरीददार लोग इधर उधर भटकने को मजबूर हैं।

बाबूलाल पुत्र दर्शनलाल ने बताया कि 21 जनवरी 2013 को नांगल चौधरी नपा का गठन किया गया था। जिसमें तीन पंचायतों के साथ छह ढाणियों को शामिल किया गया है। उस दौरान विभाग ने निर्मित दुकान, मकान तथा अन्य शॉपिंग कॉम्प्लेक्सों को यथास्थिति में स्वीकृत किया था। प्रॉपर्टी टैक्स व अन्य चार्ज अदायगी करके मकान मालिक एनडीसी हासिल कर सकता है।

निर्धारित नियमानुसार शहर के अस्थाई बस स्टैंड पर एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स मालिक ने दुकानों को बेच दिया। जिसकी रजिस्ट्री कराने के लिए खरीददार बाबूलाल ने नपा कार्यालय से एनडीसी व अन्य दस्तावेज प्राप्त कर लिए। सभी दस्तावेजों को जमीनी कागजों में अटेच करके रजिस्ट्री के लिए आवेदन किया था, लेकिन नायब तहसीलदार स्वीकृत नक्शा नहीं होने का तर्क देकर रजिस्ट्री आवेदन को खारिज कर दिया।

पीड़ित खरीददार ने बताया कि स्टांप व अन्य कागजी प्रक्रिया पर लाखों रुपये खर्च हो चुके हैं, लेकिन रजिस्ट्री नहीं होने के कारण दुकान का मालिकाना हक नहीं मिल पाया है। बीते एक महीने से नपा व तहसील कार्यालय में भटकने के बावजूद संतोषजनक जबाब नहीं मिला है। उन्होंने उपायुक्त से समाधान की गुहार लगाई है।

नपा गठन से पहले के शॉपिंग कॉम्प्लेक्स अप्रूव्ड

नपा के सचिव ललित गोयल ने बताया कि नांगल चौधरी नपा का गठन 2013 में हुआ था। इससे पहले के निर्मित दुकान, मकान तथा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स अप्रूव्ड हो गए थे। अब इनमें कुछ बदलाव करेंगे तभी नक्शा स्वीकृति की जरूरत होगी। पहले की निर्मित दुकानों की चार्ज अदायगी करके एनडीसी देते हैं। जिसके आधार पर रजिस्ट्री कर सकते हैं। इस संदर्भ में नायब तहसीलदार प्रवीण कुमार ने बताया कि नियमों का अध्यन करने के बाद ही रजिस्ट्री संभव हो पाएगी।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 14 मार्च को

नारनौल। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा निर्देशानुसार जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष नरेंद्र सूरा के मार्गदर्शन में 14 मार्च को न्यायिक परिसर नारनौल, महेंद्रगढ़ व कनीना में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक लोन, मोटर व्हीकल एक्सीडेंट, एनडीपीएस एक्ट, फौजदारी, दीवानी, वैवाहिक एवं पारिवारिक विवाद का निपटारा किया जाएगा। सीजेएम ने बताया कि न्यायालय में लंबित मामलों को परस्पर सहयोग व सौहार्दपूर्ण माध्यम से निपटाने के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाता है। यदि किसी व्यक्ति का कोई मामला न्यायालय में लंबित है तो वह राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से उसका निस्तारण करवा सकता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के हेल्पलाइन नंबर 01282-250322 पर भी फोन कर आमजन लोक अदालत व अन्य कानूनी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

बैग छीनने की वारदात को अंजाम देने वाले दो शातिर आरोपित गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

सीआईए पुलिस टीम और स्थानीय थाना पुलिस की मुस्तैद कार्यप्रणाली के चलते झपटमारी की वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपितों को घटना के मात्र 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से छीना गया मोबाइल फोन, नकदी और वारदात में इस्तेमाल की गई चोरी की मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है।

- छीना गया मोबाइल नकदी और चोरी की बाइक बरामद

मामले के अनुसार 27 जनवरी को एक महिला अपनी सास के साथ निजामपुर रोड स्थित सैनी धर्मकांटा के पास पैदल जा रही थी, तभी एक बिना नंबर की मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात युवकों ने उनका हैंडबैग छीन लिया। बैग में एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन, 400 रुपये और जरूरी कागजात थे। शिकायत के आधार पर थाना शहर नारनौल में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार कार्रवाई करते हुए सीआईए नारनौल की टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और सूचना तंत्र की मदद से त्वरित कार्रवाई की और दोनों आरोपितों को धर दबोचा। पकड़े गए आरोपितों की पहचान जतिन निवासी गणेश कॉलोनी नसीबपुर और श्याम निवासी गणेश कॉलोनी नारनौल के रूप में हुई है।

गहन पूछताछ के दौरान पुलिस ने उनके पास से वारदात में छीना गया मोबाइल फोन और नकदी बरामद की। इसके साथ ही, जिस मोटरसाइकिल का उपयोग वारदात में किया गया था, वह भी पुलिस ने जब्त कर ली है। जांच में खुलासा हुआ कि उक्त मोटरसाइकिल भी चोरी की थी, जिसे आरोपित जतिन ने भांखरी क्षेत्र से चुराया था।

इस संबंध में थाना सदर नारनौल में पहले से ही बाइक चोरी का मामला दर्ज था। आरोपितों की गिरफ्तारी से स्नेचिंग और वाहन चोरी के दो अलग-अलग मामलों को सुलझाने में सफलता मिली है।

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित। फोटो: हरिभूमि

वनस्पति जगत / शिखर चंद जैन

अजब-अनोखे मनभावन फूल

रंग-बिरंगे मनमोहक फूल किसे नहीं भाते! इन फूलों की अगर अपनी कोई ऐसी खूबी हो, जो बहुत अनोखी हो तो इनका आकर्षण और बढ़ जाता है। जानो, ऐसे ही कुछ अजब-अनोखे फूलों के बारे में कि ये किस कारण अनोखे हैं और ये कहां पाए जाते हैं?

बच्चो, फूल अपनी खूबसूरती और सुगंध के लिए तो जाने जाते ही हैं, इसके अतिरिक्त दुनिया में कई ऐसे फूल हैं, जो बहुत अजब-गजब हैं, जो भी इन्हें देखता है, आश्चर्यचकित रह जाता है। यहां हम बता रहे हैं, ऐसे ही कुछ अनोखे फूलों के बारे में।

मंकी ऑर्किड: नाम के मुताबिक ही इसकी पंखुड़ियों की बनावट बिल्कुल बंदर के चेहरे जैसी होती है। यह फूल मुख्य रूप से दक्षिण अमेरिका के देश इक्वेडोर और पेरू के ऊंचे पहाड़ी इलाकों में पाया जाता है। इस फूल में से पके हुए संतरे जैसी खुशबू आती है।

ब्लीडिंग हार्ट: यह फूल गहरे गुलाबी और सफेद रंग का होता है। इसका आकार दिल जैसा होता है, जिसके नीचे से एक बूंद टपकती हुई दिखाई देती है। यह ब्लीडिंग हार्ट जैसा ही दिखता है। यह फूल साइबेरिया, चीन और जापान में पाया जाता है।

हुकर्स लिप: यह फूल किसी महिला के होंठों पर लगी लिपस्टिक जैसा दिखता है। मध्य और दक्षिण अमेरिका के वर्षा वनों में पाया जाने वाला यह पौधा, फूलो जैसे दिखने वाले अपने चटक लाल रंग के ब्रैक्ट्स (पत्तियों का एक रूप) के लिए मशहूर है।

स्वैडल्ड बेबीज ऑर्किड: इस मोहक फूल की बनावट ऐसी होती है जैसे कपड़े में लिपटा हुआ कोई नन्हा बच्चा सो रहा हो। यह फूल मूल रूप से कोलंबियाई देश के एंडीज पर्वत श्रृंखला के वनों में पाया जाता है।

नेकेड मैन ऑर्किड: भूमध्यसागरीय क्षेत्र में पाया जाने वाला यह फूल अपनी विचित्र आकृति के लिए प्रसिद्ध है। इसके छोटे-छोटे फूल बिना कपड़ों वाले इंसान की आकृति जैसे दिखते हैं।

फ्लाइंग डक ऑर्किड: ऑस्ट्रेलिया में पाया जाने वाला यह छोटा-सा ऑर्किड उड़ते हुए बत्तख जैसा दिखता है। यह आकार असल में कीड़ों को परागण के लिए आकर्षित करने के लिए होता है।

डांसिंग गर्ल्स: पूर्वी अफ्रीका के वर्षा वनों में पाए जाने वाले ये दुर्लभ फूल, सफेद या हल्के गुलाबी रंग के होते हैं। इनकी बनावट ऐसी होती है, जैसे कोई लड़की डांस कर रही हो।

पैरट फ्लावर: थाईलैंड और म्यांमार में पाया जाने वाला यह फूल एक उड़ते हुए तोते जैसा दिखता है। इसे दुर्लभ श्रेणी में रखा गया है। इस फूल का देश से बाहर निर्यात प्रतिबंधित है।

बर्ड ऑफ पैराडाइज: यह फूल उड़ते हुए रंग-बिरंगे पक्षी जैसा दिखता है। इसके चटक नारंगी और नीले रंग इसे बेहद मनमोहक बनाते हैं। *

खास समय में खिलने वाले फूल

बच्चो, कुछ फूल ऐसे होते हैं, जो किसी खास समय में ही खिलते हैं। इन फूलों में भी कई विशेषताएं पाई जाती हैं।

मॉर्निंग ग्लोरी: यह एक खूबसूरत बेल वाला पौधा है, जो अपने तुरही के आकार के फूलों के लिए जाना जाता है। ये फूल सुबह सूरज उगने पर खिलते हैं। ये बैंगनी, नीले, गुलाबी, लाल और सफेद रंगों के होते हैं।

चांदनी रात में खिलने वाले फूल: कुछ फूल, जैसे 'मून फ्लावर' दिन में बंद रहते हैं और रात में चांद की रोशनी में खिलते हैं, जो रात के समय एक अनोखा नजारा पेश करते हैं। रात में खिलने वाले ये फूल न केवल सुंदर होते हैं, बल्कि उनकी खुशबू भी बहुत मनमोहक होती है।

रात की रानी: नाइट ब्लूमिंग जैस्मिन यानी रात की रानी अपने छोटे सफेद फूलों और भीनी-भीनी खुशबू के लिए प्रसिद्ध है। इसे पारिजात या हरसिंगार के नाम से भी जाना जाता है। इसके सफेद फूल और नारंगी डंठल होते हैं। यह रात में खिलता है और सुबह होने पर खुद-ब-खुद जमीन पर गिर जाता है।

रजनीगंधा: इसके लंबे डंठल पर सफेद फूल खिलते हैं, जिनकी खुशबू रात में और भी बढ़ जाती है।

फोर ओ क्लॉक फ्लावर: यह फूल अकसर शाम को 4 बजे खिलते हैं और रात भर खिले रहते हैं। इसे गुल अब्बास का पौधा या मीराबिलिस जालपा कहा जाता है। इसे कृष्णाकली, संध्याकली, संजमल्लिगे, अंधीमल्लिगाई और लंकाफूल भी कहा जाता है।

ईवनिंग प्रिमरोज: इसके पीले फूल शाम के समय खिलते हैं और अपनी मीठी महक बिखेरते हैं।

ब्रह्म कमल: इस फूल को 'हिमालय का सम्राट' कहा जाता है। यह साल में केवल एक बार रात में खिलता है और सुबह होते ही बंद हो जाता है।

सफेद-घने फर वाला पोलर बियर

पोलर बियर यानी ध्रुवीय भालू, एक बेहद क्यूट-सा दिखने वाला जंतु है। लेकिन यह जितना क्यूट दिखता है, उतना ही खतरनाक भी है। जानो, आर्कटिक क्षेत्र में पाए जाने वाले पोलर बियर के बारे में कुछ और बातें।

जंतु जगत
रेखा शाह आरबी

बच्चो, कोई भी जब पोलर बियर को देखेगा तो इसकी सुंदरता और क्यूटनेस देखकर मोहित हो जाएगा। देखने में इतना मासूम लगता है कि आभास ही नहीं होता कि यह एनिमल एक खतरनाक शिकारी भी है। पोलर बियर, आर्कटिक क्षेत्र का सबसे बड़ा मांसाहारी शिकारी जंतु कहा जाता है।

शारीरिक विशेषताएं: पोलर बियर का फर सफेद रंग का होता है। लेकिन उसकी स्किन काली होती है। बहुत घने फर के कारण यह पूरा सफेद दिखाई देता है। इसका वजन 300 से 700 किलोग्राम तक हो सकता है। लंबाई की बात करें, तो एक वयस्क पोलर बियर की लंबाई 8 से 10 फीट तक होती है। इसका खूबसूरत फर वास्तव में पारदर्शी और खोखला होता है। जिससे धूप की रोशनी नीचे काली त्वचा तक पहुंचती है, जो गर्मी सोख लेती है। फर की मोटी परत और त्वचा के नीचे फैट (वसा) की मोटी परत इसे ठंड से बचाती है। पोलर बियर के पैर बड़े, चौड़े और खुरदुरे होते हैं, जो इसे बर्फ पर चलने में सहायक होते हैं, फिसलने से बचाते भी हैं। पोलर बियर एक बेहतरीन तैराक भी होता है।

आवास व आहार: आर्कटिक महासागर और उसके आस-पास के समुद्री बर्फ वाले क्षेत्र, पोलर बियर के मुख्य निवास स्थान हैं। कनाडा, ग्रीनलैंड, अलास्का (अमेरिका), स्वालबार्ड (नॉर्वे) जैसी बर्फीली जगहों पर यह मुख्य रूप से पाया जाता है, क्योंकि इसका भोजन वहीं पर मिलता है। यह सील का शिकार करता है। आहार में मुख्य रूप से यह सील ही खाता है। हालांकि यह अन्य स्तनधारी जंतुओं का भी शिकार करता है।

माहिर शिकारी: पोलर बियर एक माहिर शिकारी होता है। यह घात लगाकर शिकार करता है। दरअसल, बर्फ के नीचे रहने वाली सील सांस लेने के लिए बर्फ में छेद बनाकर रहती है। वहीं पर यह घात लगाकर बैठा रहता है। सील सांस लेने के लिए जैसे ही बाहर आती है, यह उसका शिकार कर लेता है। *

जरूरी है पोलर बियर का संरक्षण

आर्कटिक पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए पोलर बियर बहुत ही जरूरी प्राणी है। लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण पोलर बियर विलुप्तप्राय हो रहे हैं। आईयूसीएन ने पोलर बियर के लिए ग्लोबल वार्मिंग को सबसे बड़े खतरे के रूप में सूचीबद्ध किया है, क्योंकि ग्लोबल वार्मिंग की वजह से आर्कटिक की बर्फ तेजी से पिघल रही है, इसलिए पोलर बियर के आवास और शिकार (सील) नष्ट हो रहे हैं। इसकी आबादी घट रही है और यह इंसानी बस्तियों के करीब आ रहा है। इस कारण पोलर बियर और इंसानों के बीच संघर्ष बढ़ रहा है। प्रकृति और जलवायु संतुलन के लिए पोलर बियर का संरक्षण बहुत जरूरी है।

तुम्हारे लिए नई किताब / समीर गांगुली

मजेदार किस्सों का पिटारा

बच्चो, जब तुम जाने-माने लेखक स्वयं प्रकाश की लिखी किताब 'सप्पू के दोस्त' पढ़ोगे तो कभी तुम्हें लगेगा कि सप्पू तो खुद लेखक है, फिर दूसरे ही क्षण लगेगा कि सप्पू तुम स्वयं हो या फिर लगेगा सप्पू तुम्हारा दोस्त है। इस किताब में तुम्हें सप्पू के 11 किस्से पढ़ने को मिलेंगे। हर किस्से में तुम सप्पू के साथ जगह-जगह का मजा लोगे। कभी रेल के डिब्बे में होगे, कभी स्कूल के मैदान में तो कभी रास्ते में किसी मजमे वाले के पास रुककर तमाशा देखोगे। कुछ किस्सों के तो शीर्षक भी एक-एक शब्द के हैं, जैसे- 'इम्मी', 'सबक', 'अमरूद', 'कुली', 'गणेशीलाल'। मजे की बात यह है इन किस्सों में स्वयं सप्पू हीरो नहीं है। हीरो कभी कुली है तो कभी गणेशीलाल या कोई और। बहुत ही निराली है सप्पू के बचपन की दुनिया। बच्चो, एक बार किताब को हाथ में लोगे तो पूरी किताब पढ़कर ही तुम्हें चैन मिलेगा। फिर तुम इस किताब को दोस्तों को भी पढ़ाओगे, ताकि तुम सप्पू के किस्सों पर चर्चा कर सको। किताब के चित्र भी सप्पू के किस्सों की तरह बहुत मजेदार हैं, हंसाते हैं, गुदगुदाते हैं। *

किताब: सप्पू के दोस्त (बाल कहानी संग्रह), **लेखक:** स्वयं प्रकाश
मूल्य: 200 रुपए, **प्रकाशक:** जुगनू प्रकाशन, नई दिल्ली

हंसगुल्ले

रिंकी: आंखों के भाई को हम किस नाम से बुलाते हैं?
पिंकी: पता नहीं, तुम्हीं बता दो।
रिंकी: आई-ब्रो।
-हर्षिता, रायपुर

डॉक्टर: मिक्की, इस दवाई को दिन में चार चम्मच लेना।
मिक्की: फिर तो डॉक्टर अंकल, मैं यह दवा नहीं पी पाऊंगी।
डॉक्टर: वो क्यों?
मिक्की: मेरे घर में तो सिर्फ दो चम्मच ही है।
-कविता, दुर्ग

पापा: आज मैथ्स टेस्ट में तुम्हारे कितने नंबर आए?
सोनू: मोनू से तीन नंबर कम।
पापा: अच्छा! मोनू के कितने नंबर आए हैं?
सोनू: तीन नंबर।
-अमन, बिलासपुर

जीके क्विज-190

1. हाल ही में किस भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ी ने संन्यास की घोषणा की है?
2. भारत के 92वें ग्रैंड मास्टर बनने वाले शतरंज खिलाड़ी कौन हैं?
3. भारत के वर्तमान रक्षा मंत्री कौन हैं?
4. दिल्ली के लाल किले का निर्माण किसने करवाया था?
5. हाल में ही वायु सेना के किस अफसर को अशोक चक्र से सम्मानित किया गया?
6. पूर्व न्यायाधीश के टी थॉमस को हाल ही में किस पुरस्कार से सम्मानित किया गया?
7. विटामिन ई का रासायनिक नाम क्या है?
8. कौन-सा विटामिन बोंस को मजबूत बनाने में सहायक होता है?
9. सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह कौन-सा है?
10. माउंट एवरेस्ट के शिखर तक पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला कौन थी?

बच्चो, जीके क्विज-190 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-189 का उत्तर: 1.उर्सुला वॉन डेर लेयेन और एंटोनियो कोस्टा, 2. 77वां, 3.सुभाष चंद्र बोस, 4.15 जनवरी, 5.गुजरात, 6.1950 ई., 7. बी.आर. अंबेडकर, 8.6 (छह), 9.डॉ. राजेंद्र प्रसाद, 10.बंकिम चंद्र चटर्जी

जीके क्विज-189 का सही उत्तर देने वाले: भूमेश-महासमुंद, कबीर-हिसार, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, रमेश-बैकुंठपुर, तान्या-दुर्ग, कोमल-हिसार, संचित-रायपुर, अमन-बिलासपुर, सौम्या-बलौदा बाजार, कल्पेश-मटियारी, पवन-दुर्ग

कहानी
गोविंद शर्मा

क्या कोई बंदर पढ़ाई में मन ना लगाने वाले किसी बच्चे को ऐसा सुधार सकता है कि वह बच्चा पढ़ाकू बन जाए? ऐसी अनहोनी दादा जी के साथ उनके बचपन में हुई थी। दादा जी को एक बंदर ने कैसे सुधारा? पढ़ो, एक मजेदार कहानी।

बंदर जी ने सुधारा!

एक दिन बच्चों ने दादा जी को घेर लिया। बच्चे अकसर ही दादा जी का घेराव अच्छी-अच्छी, प्यारी-प्यारी बातें करने लिए करते रहते हैं। एक बच्चे ने पूछा, 'दादा जी, आप कितनी ही भाषाएं हिंदी, अंग्रेजी, पंजाबी, संस्कृत पढ़ना-लिखना जानते हैं! आप तो कहते हैं कि सिर्फ स्कूल में पढ़े हैं। कभी कॉलेज में पढ़ने नहीं गए। आपको ज्यादा से ज्यादा पढ़ना किसने सिखाया?'

'एक बंदर जी ने।' दादा जी तुरंत बोले।

बच्चे चौंके, 'बंदर ने! दादा जी, यह क्या कह रहे हैं? आप अपने अध्यापक जी को बंदर जी कह रहे हैं?'

'नहीं-नहीं, मैं तो एक बंदर जी को अध्यापक जी कह रहा हूं।' यह कहकर दादा जी मुस्कुराए।

'आप कह क्या रहे हैं दादा जी? बंदरों को तो मदारी लोग यानी आदमी सिखाते हैं। आप किसी बंदर से कैसे सीखे?' बच्चे दादा जी की बात समझ नहीं पा रहे थे।

'सच कहूं या झूठ?' दादा जी हंसते हुए बोले।

'दादा जी, आप क्या झूठ बोलना भी जानते हैं? हमें तो सदा ही सच बोलना सिखाते हैं।' बच्चे बोले।

दादा जी गंभीर हो गए, बोले, 'चलो, मैं अपनी एक सच्ची कहानी सुनाता हूं। जब मैं स्कूल में था, मेरी रुचि पढ़ने में बहुत कम थी। घर के लोग और स्कूल के कुछ अध्यापक इस कोशिश में रहते थे कि पढ़ने में और स्कूल में टिके रहने में मेरी रुचि बढ़े।'

'यह स्कूल में 'टिके रहना' क्या होता है?' बीच में एक बच्चा बोला।

'टिके रहना भी होता है। मुझे जब भी मौका मिलता, क्लास छोड़कर स्कूल से भाग जाता। इधर-उधर घूमता और छुट्टी होने के समय घर आ जाता।' दादा जी ने बताया।

'क्या आप स्कूल बैग के साथ स्कूल से बाहर आ जाते थे?' एक बच्चे ने सवाल किया।

'अरे नहीं, स्कूल बैग क्लास में छोड़ आता था। छुट्टी होने पर कोई दोस्त वह बैग बाहर लाकर मुझे दे देता। हम स्कूल बैग को बस्ता कहते थे। मेरी तरह स्कूल के कुछ और बच्चे भी ऐसा करते थे। हम स्कूल के मुख्य द्वार से बाहर नहीं जाते थे। क्योंकि ऐसा करने पर हेड मास्टर जी या कोई और मास्टर जी देख सकते थे। इसलिए, हम स्कूल की पिछली दीवार लांघकर बाहर जाते थे यानी बंक मारते थे।' दादा जी एक पल रुके, फिर आगे बोले, 'एक दिन गजब हो गया। जैसे ही मैं दीवार से दूसरी तरफ कूद कर खड़ा हुआ, एक बंदर पता नहीं कहां से आ गया। उस समय हमारे स्कूल के आस-पास बंदर नहीं होते थे। मैं उस बंदर को देखता रहा और वह मुझे देखता रहा। मैं जाने लगा तो वह 'खों खों' करता मेरी तरफ बढ़ा। मैं डर गया। मैं कभी इधर तो कभी उधर भागने लगा। बंदर ने मेरा पीछा नहीं छोड़ा। मैं किसी तरह वापस दीवार पर चढ़कर स्कूल की बाउंड्री में कूद गया। कुछ और बच्चों को भी उस बंदर ने स्कूल से यूं भागने से रोका। मैंने एक-दो दिन बाद फिर कोशिश की। पर हर बार वह बंदर मुझे तैयार मिलता। स्कूल से मुझे भागने नहीं देता। उसके डर से मैं स्कूल के समय में स्कूल में ही रहने लगा। अपनी कक्षा में बैठने लगा। पढ़ाई में रुचि लेने लगा। मुझे पढ़ने में भी मन आने लगा। एक दिन तो गजब हो गया। मुझे अपने गणित के अध्यापक जी के मुंह से थैंक यू सुनने को मिला। अध्यापक जी बोले, 'पहले मुझे लगता था कि तुम इस कक्षा का वार्षिक परीक्षा परिणाम खराब कर दोगे। लेकिन अब लगता है, तुम्हारी गणित में रुचि लेने से परिणाम ज्यादा अच्छा रहेगा, थैंक यू!' बच्चो, शायद तुम समझ गए होगे कि उस समय मुझे कितनी ज्यादा खुशी हुई होगी, क्योंकि अध्यापक जी से थैंक यू कभी-कभी ही मिलता है। मैं तुम लोगों से यही कहना चाहूंगा कि किसी भी जानवर को कभी कम नहीं समझना चाहिए।'

'बिल्कुल दादा जी, हम यह समझ गए कि आप किसी अध्यापक को बंदर जी नहीं कह रहे हैं बल्कि बंदर को ही बंदर जी कह रहे हैं। कहना भी चाहिए, क्योंकि आपको और आप जैसे दूसरे बच्चों को सुधारने में जहां अध्यापक जी सफल नहीं हुए, वहां एक बंदर जी सफल हो गए। लेकिन हम तो आपसे ही बहुत कुछ सीख रहे हैं, इसलिए आपको ही कहेंगे थैंक यू!'

इसके बाद तो कुछ देर तक बच्चे हंसते रहे। *

कविता
राम नरेश 'उज्ज्वल'

बिना पंख उड़ता है मन

बहुत तेज चलता है मन।
मनचाहा करता है मन।।
गहरी नदियों में जाता,
हीरे-मोती ले आता,
ऊंचे-ऊंचे शिखरों पर
बिन पैरों चढ़ता है मन।
बहुत तेज चलता है मन।।
उड़न खटोला ले आता,
दूर देश तक ले जाता,
स्वर्गलोक की परियों से
पल भर में मिलता है मन।
बहुत तेज चलता है मन।।
रॉकेट जैसा खूब उड़े,
सूर्य चंद्र से बात करे,
नील गगन में सन-सन-सन
बिना पंख उड़ता है मन।
बहुत तेज चलता है मन।।
किले हवाई बड़े-बड़े,
पल में जीते बिना लड़े,
महल खयाली कितने ही
क्षण भर में रचता है मन।
बहुत तेज चलता है मन।।
सागर में गोता खाता,
पनडुब्बी-सा बन जाता,
खतरनाक शेरों को भी
काबू में करता है मन।
बहुत तेज चलता है मन।।

अंतर बताओ

बच्चो, यहां एक एंग्री बर्ड के दो चित्र दिए गए हैं। एक जैसे दिख रहे इन चित्रों में पांच अंतर है। तुम्हें तीन मिनट में ये पांच अंतर खोजने है। तो देर किस बात की, फटाफट सभी पांच अंतर खोजो।

उत्तर: 1.एंग्री बर्ड की टेल का एक फर ब्लू है। 2.एंग्री बर्ड के पीछे पेड़ में कोटर नहीं है। 3.ऊपर पेड़ की तीन पत्तियां कम हैं। 4.एंग्री बर्ड के बाएं पैर में एक अंगुली कम है। 5.एंग्री बर्ड के आगे स्नेल का डायरेक्शन बदला हुआ है।

सही रास्ता खोजो

बच्चो, इस चित्र में दिख रहे मंकी को स्टार चाहिए। लेकिन स्टार जिस जगह रखा हुआ है, वहां तक पहुंचने का रास्ता टेढ़ा-मेढ़ा है। तुम मंकी को स्टार तक पहुंचने का रास्ता तो बताओ जरा।

खबर संक्षेप

सड़क किनारे पड़ी गंदगी से राहगीर परेशान

मंडी अटेली। सागरपुर से अटेली सड़क मार्ग पर तिगरा में सड़क किनारे फैली गंदगी राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। सही तरीके से सफाई व्यवस्था न होने के चलते तथा मोहल्लों के लोग गांव में सड़क किनारे गंदगी फेंक जाते हैं। गंदगी की बैठक समय पर सफाई न होने के कारण कचरा सड़क पर फैल जाने से वहां से गुजरना भी मुश्किल हो जाता है। वहां पर कूड़े से उठने वाली बदबू और गंदगी पर मुंह मारते आवारा जानवरों के कारण स्थिति और भी खराब हो जाती है। गांव के कुछ परिवार आसपास से गंदगी लाकर यहां फेंक जाते हैं वहीं बाद में समय पर यहां से गंदगी उठानी मुनासिब नहीं समझी जाती है।

महिला कालेज में एड्स जागरूकता कार्यक्रम

नारनौल। राजकीय महिला महाविद्यालय में रेड रिबन क्लब के सौजन्य से एचआईवी एड्स से संबंधित एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसके तहत मुख्यतः पोस्टर मेकिंग व स्लोगन लेखन प्रतियोगिता हुई। पोस्टर मैकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान तमन्ना, द्वितीय स्थान आंचल और तृतीय स्थान राधिका ने प्राप्त किया। प्राचार्य डॉ. आरपी सिंह ने सभी छात्राओं को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया तथा बताया कि इस तरह के कार्यक्रम से एचआईवी एड्स से संबंधित समाज में फैले हुए भ्रम दूर होते हैं, जो कि हमारे स्वच्छ समाज के निर्माण में बहुत ही सहायक सिद्ध होते हैं।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय सेमिनार शुरू

हथियार ही नहीं, टैरिफ भी बना युद्ध का माध्यमः कुलपति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के राजनीतिक विज्ञान विभाग द्वारा वीरवार को 'वार एंड टैरिफः रिविजिटिंग ग्लोबलाइजेशन इन ए फ्रेग्मेंटेड वर्ल्ड ऑर्डर' विषय पर केंद्रित दो दिवसीय सेमिनार की शुरुआत हुई। आयोजन में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर (एमेरिट्स) अशोक कौल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने की।

कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने युद्ध, ऊर्जा और तकनीकी विकास के आपसी संबंधों पर प्रकाश डालते हुए आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति को रेखांकित किया। कुलपति ने अपने संबोधन में वैश्विक स्तर पर जारी युद्ध और टैरिफ वार पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि एक समय था जब युद्ध केवल हथियारों के सहारे एक निर्धारित रणक्षेत्र में लडे.जाते थे लेकिन अब परिस्थिति बिलकुल बदल चुकी है और ऐसे में विश्व में हो रहा टैरिफ वार अपने तरह का एक युद्ध है। मौजूदा समय में अमेरिका का रूख हमें विश्व स्तर पर युद्ध और टैरिफ वार दोनों का ही प्रत्यक्ष प्रमाण प्रस्तुत कर रहा है और विभिन्न देश इससे निपटने के उपाय भी कर रहे हैं। भारत के द्वारा यूरोपियन यूनियन के साथ मुक्त व्यापार समझौता ऐसा ही एक प्रयास है। कुलपति ने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों, शोद्यार्थियों को इस विषय को गहराई से जानने समझने का अवसर प्राप्त होगा।

आयोजन में मुख्य अतिथि प्रो. अशोक कौल ने अपने संबोधन में वैश्विक राजनीतिक ऐतिहासिक और समाजशास्त्रीय आयामों पर विचार प्रस्तुत किए। वेस्टफेलिया संधि के माध्यम से राष्ट्र-राज्य प्रणाली के उद्भव, सीमाओं और पहचान की अवधारणा के विकास पर चर्चा की। साथ ही, उन्होंने प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्धों के संदर्भ में आधुनिक धारणाओं की विफलता, विचारधाराओं के क्षरण और समकालीन राजनीति में व्यक्तित्व-पूजा के उभार को रेखांकित किया। उन्होंने भारतीय परंपरा की समावेशी और नैतिक दृष्टिको विशेष महत्व दिया। वैश्विक व्यापार व्यवस्था के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों, संरक्षणवाद और आर्थिक राष्ट्रवाद के प्रभावों पर विचार व्यक्त किए।

महेंद्रगढ़। मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए। फोटो : हरिभूमि

भारतीय परंपरा का उल्लेख किया

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जवलन व विश्वविद्यालय कुलगीत के साथ हुई। तत्पश्चात मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ की अधिष्ठाता प्रो. पायल कंवर चंदेल ने अपने स्वागत भाषण में समकालीन वैश्विक परिदृश्य में युद्ध, टैरिफ और वैश्वीकरण के बदलते स्वरूप की प्रासंगिकता को रेखांकित किया। इसके पश्चात राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजीव कुमार सिंह ने संगोष्ठी की विषयवस्तु एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए भारतीय परंपरा का उल्लेख किया।

न्यूज डायरी

आरपीएस किंडरगार्टन में पिनेकल ऑफ माइंड्स कार्यक्रम का आयोजन

महेंद्रगढ़। आरपीएस किंडरगार्टन में नन्हें विद्यार्थियों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास एवं बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करने हेतु "पिनेकल ऑफ माइंड्स" कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर आरपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव मुख्य अतिथि रही, जबकि विशिष्ट अतिथि सेंट्रल यूनिवर्सिटी के प्रो. डा. दिनेश चहल व डॉ. विनीता मलिक रहे। आरपीएस ग्रुप के सीईओ इंजीनियर मनीष राव व डिप्टी सीईओ कुनाल राव ने भी बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में कक्षा व थीम के अनुसार बच्चों ने आकर्षक प्रस्तुतियां दी। नर्सरी ग्रीन एवं नर्सरी ब्लू के विद्यार्थियों ने "प्रकृति के अनोखे चमत्कार" विषय को रंगीन परिधानों व सरल अभिनय के माध्यम से जीवंत किया। एलकेजी लिली के बच्चों ने तितली के जीवन चक्र को रोचक ढंग से प्रस्तुत किया। एलकेजी लोटस द्वारा "स्नो व्हाइट और सात बौने" की मनमोहक प्रस्तुति दी गई, जबकि एलकेजी रोज ने आयुर्वेद के लाभों को सरल व प्रभावी ढंग से दर्शाया।

ओम साईंराम एकेडमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल के बच्चों ने किया स्मार्ट बाजार का भ्रमण

महेंद्रगढ़। मौदाश्रम मंदिर के सामने मौहल्ला जवाहरनगर में स्थित श्री ओम साईंराम एकेडमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल/बच्चन प्ले स्कूल के बच्चों द्वारा शहर के तुलाराम चौक के नजदीक स्थित एक निजी स्मार्ट बाजार का भ्रमण किया। प्राचार्या ज्योति शर्मा के नेतृत्व में बच्चों ने वहां पहुंचकर स्टोर मैनेजर सुनील कुमार यादव एवं डिपार्टमेंट मैनेजर संजीव यादव से संपर्क करके स्मार्ट बाजार का संचालन करने के बारे में जानकारी हासिल की। उत्पादक से लेकर उपभोक्ता तक बाजार की श्रृंखला के बारे में बच्चों को जानकारी देते हुए मैनेजर ने बताया कि उत्पादक अपने उत्पाद बनाता है। फिर थोक व्यापारी इसे बड़ी मात्रा में खरीदने हैं और खुदरा विक्रेताओं को बेचते हैं। खुदरा विक्रेता इसे उपभोक्ताओं को बेचते हैं, जो अंततः उत्पादन का उपयोग करते हैं।

शेखावाटी फाउंडेशन ने 3 विभूतियों को किया सम्मानित

नारनौल। शेखावाटी फाउंडेशन राजस्थान का द्वितीय स्थापना दिवस समारोह जयपुर में गत 28 जनवरी को जयपुर क्लब में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर शेखावाटी फाउंडेशन झुंझुनूं जिले की तीन विभूतियों सिंघानिया यूनिवर्सिटी के रवि सिंघानिया को शिक्षा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान के लिए, प्रसिद्ध मूर्तिकार मातूराम कुमावत को मूर्तिकला के क्षेत्र में विश्व में झुंझुनूं के नाम को गौरान्वित करने के लिए एवं समाजसेवी भामाशाह प्रदीप पाटोदिया पुत्र स्वर्गीय चौथमल पाटोदिया का सामाजिक सरोकारों में अनुकरणीय सहयोग प्रदान करने के लिए राज्य स्तर पर सम्मान किया गया। इस अवसर पर बतौर अतिथि विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, स्वायत शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा, भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां, विधायक कालीचरण सराफ, विधायक हरलाल सहारण, विधायक राजेंद्र पारीक, विधायक गोरधन वर्मा, केके गुप्ता डूंगरपुर, पूर्व विप्र आयोग उपाध्यक्ष मंजू शर्मा, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष राजपाल शर्मा, सौम्या गुर्जर, महापौर जयपुर सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। समारोह में सुप्रसिद्ध गायिका कलाकार सीमा मिश्रा सहित अन्य क्षेत्र की हस्तियों का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर शेखावाटी फाउंडेशन झुंझुनूं जिला इकाई की ओर से झुंझुनूं जिलाध्यक्ष डॉ दिलीप मोदी, जिला संयोजक डॉ डीएन तुलस्यान, संरक्षक सत्यदेव दडिया, उपाध्यक्ष कुरडाराम धीवां, नरेंद्र व्यास एवं डाक्टर तहसीन अली कुरेशी उपस्थित रहे।

रंगोली और पोस्टर मेकिंग कला के माध्यम से लोकतंत्र का दिया संदेश

आरपीएस डिग्री कॉलेज में मनाया लोकतंत्र का पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

आरपीएस डिग्री कॉलेज ने कला के माध्यम से लोकतंत्र का संदेश दिया। दरअसली छात्र–छात्राओं के मध्य रंगोली और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें उनकी प्रतिभा उभरकर निखरी। समारोह के दौरान कॉलेज परिसर में एक विशेष कला दीर्घा का आयोजन किया गया, जहां मानविकी विभाग के छात्र-छात्राओं ने 'मतदान का महत्व' और 'सशक्त लोकतंत्र' विषयों पर आधारित आकर्षक पोस्टर और रंगोली बनाई। छात्रों ने पोस्टरों के जरिए सारे काम छोड़ दो, सबसे पहले वोट दो और आपका वोट, आपकी आवाज जैसे नारों को कलात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा छात्रों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी भागीदारी और मतदान के महत्व के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में निदेशक डॉ. महेश यादव, कुलसचिव डॉ. देवेंद्र यादव और अधिष्ठाता डॉ. हेमंत कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। बनाए गए पोस्टर दिखाते छात्र–छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

शिक्षकों ने युवाओं का मार्गदर्शन किया

विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश डागर, भूपेंद्र, डॉ. अशोक, सुश्री दीपिका, सुश्री सोनाली और डॉ. हिमांशु एवं अन्य शिक्षकगण ने भी शिरकत की और युवाओं का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह कॉलेज में दीप प्रज्वलन के साथ हुई। वक्ताओं ने बताया कि यह आयोजन भारत निर्वाचन आयोग के आह्वान पर वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम के संकल्प के साथ किया गया है। कॉलेज की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव और सीईओ मनीष राव ने अपने संदेश में कहा कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी ही सशक्त लोकतंत्र की नींव है। उन्होंने मानविकी विभाग को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी और इसे एक जन-जागृति अभियान करार दिया।

मनरेगा बचाओ संग्राम : मनरेगा ग्रामीण भारत की जीवन रेखा : डॉ. राजवती

नारनौल। महिलाओं से जनसंपर्क करती डा. राजवती। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ राजवती के नेतृत्व में मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत नारनौल विधानसभा क्षेत्र के अनेक गांवों में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत गांव-गांव जाकर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी द्वारा हस्ताक्षरित पत्र आमजन, विशेषकर मनरेगा से जुड़े मज़दूरों और महिलाओं को वितरित किए गए। इस दिन गांव चुड़ैली, बडगांव, सेका, बापडोली, मंढाना आदि गांवों में जाकर जनसंपर्क किया।

डॉ. राजवती ने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू की गई महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) ग्रामीण भारत की जीवनरेखा है, लेकिन भाजपा सरकार ने सत्ता में आने के बाद इसके नाम और स्वरूप में बदलाव कर इसके मूल उद्देश्य को कमजोर करने का काम किया है। योजना के नाम में बदलाव के साथ-साथ बजट में कटौती, काम के दिनों में कमी और मजदूरी भुगतान में देरी जैसे फैसलों ने मनरेगा को लगभग ठप करने की स्थिति पैदा कर दी है।

डॉ. राजवती ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि मनरेगा कांग्रेस की देन है, जिसने गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत, बेरोज़गारी और पलायन से बचाने का काम किया है।

महेंद्रगढ़ में युवा जेजेपी की नई जिला कार्यकारिणी गठित

युवाओं को जोड़ने और 2029 की तैयारी पर जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

- नई कार्यकारिणी में जिले के विभिन्न ब्लॉकों और सामाजिक वर्गों के सक्रिय व ऊर्जावान युवाओं को जिम्मेदारी सौंपी

युवा जननायक जनता पार्टी (युवा जेजेपी) ने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए जिला महेंद्रगढ़ की नई युवा जिला कार्यकारिणी का गठन किया है। इस नई कार्यकारिणी में जिले के विभिन्न ब्लॉकों और सामाजिक वर्गों के सक्रिय व ऊर्जावान युवाओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

युवा जिला प्रभारी विष्णु डाबड़ और युवा जिला प्रधान सचिन चौधरी ने बताया कि नई कार्यकारिणी के गठन की घोषणा पार्टी नेतृत्व की सहमति से की गई। इस मौके पर युवा जेजेपी नेताओं ने कहा कि संगठन का उद्देश्य युवाओं की आवाज को मजबूती से उठाना और उन्हें राजनीति की मुख्यधारा से जोड़ना है। जिला प्रवक्ता विजय छिलरों ने कहा की नई टीम आने वाले समय में रोजगार, शिक्षा, खेल, नशा मुक्ति और युवाओं से जुड़े ज्वलंत मुद्दों को लेकर सक्रिय भूमिका निभाएगी। नवगठित जिला कार्यकारिणी में जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक यादव, उपाध्यक्ष दीनू पटीकरा, महेश रावत, प्रधान महासचिव सुनील श्योराण, महासचिव मनोज, नीरज ऊहनानी, संदीप ओर रोहित को जिला कार्यकारणी का सदस्य, अभय सिंह को युवा जिला प्रवक्ता सहित विभिन्न पदों पर युवाओं को जिम्मेदारी दी गई है।

कॉलेज में चल रही 10 दिवसीय आत्मरक्षा और ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

राजकीय महाविद्यालय के महिला प्रकोष्ठ की ओर से छात्राओं के सशक्तिकरण के उद्देश्य से आयोजित 10 दिवसीय आत्मरक्षा एवं ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यशाला, जो 28 जनवरी को प्रारंभ हुई थी, वीरवार अपने दूसरे दिन सफलतापूर्वक संपन्न हुई। यह कार्यशाला महाविद्यालय के प्राचार्य राजवीर सिंह एवं प्रो. हवा सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित की जा रही है। इस अवसर पर अपने संबोधन में प्राचार्य राजवीर सिंह ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्राओं में आत्मविश्वास, सुरक्षा की भावना तथा आत्मनिर्भरता को विकसित करने में सहायक सिद्ध होते हैं। उन्होंने छात्राओं से इन कौशलों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

नारनौल। प्रशिक्षण कार्यशाला में मौजूद छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

छात्राओं को सौंदर्य एवं ग्रूमिंग के बारे में बताया

आत्मरक्षा प्रशिक्षण सत्र में प्रशिक्षक मनोहर लाल द्वारा छात्राओं को आत्मरक्षा की मूलभूत तकनीकों का अभ्यास कराया गया तथा दैनिक जीवन में सतर्कता, आत्मविश्वास एवं आत्म-सुरक्षा के महत्व पर विशेष जोर दिया गया। वहीं ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण सत्र के अंतर्गत प्रशिक्षिका सुश्री सिमरन अग्रवाल ने छात्राओं को सौंदर्य एवं ग्रूमिंग से संबंधित प्रारंभिक एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। कार्यशाला का आयोजन महिला प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. पलक के नेतृत्व में किया जा रहा है। दूसरे दिन भी छात्राओं ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया और प्रशिक्षण सत्रों में सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम को सुचारू रूप से संपन्न कराने में महिला प्रकोष्ठ सदस्यों प्रो. सतीश कुमार, डॉ. गीता, डॉ. कविता, डॉ. पारुल, डॉ. कीर्ति एवं डॉ. मनप्रीत आदि का विशेष योगदान रहा।

यातायात के नियमों का उल्लंघन करने पर होने वाली जुर्माना राशि के बारे में बताया

प्राथमिक सहायता का लक्ष्य अचानक बीमार, घायल दुर्घटनाग्रस्त के दर्द व चोट को आगे बढ़ने से रोकना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। कार्यक्रम में संबोधित करते पूर्व जिला बाल कल्याण अधिकारी विपिन कुमार शर्मा। फोटो : हरिभूमि

भारतीय रेडक्रास सोसायटी के तत्वाधान एवं उपायुक्त एवं जिला रेडक्रॉस समिति के प्रधान कैप्टन मनोज कुमार मार्गदर्शन में 27 से 31 जनवरी तक यदुवंशी शिक्षा निकेतन पटीकरा में चल रहा है। इस पांच दिवसीय जूनियर रेड क्रॉस प्रशिक्षण की कड़ी में वीरवार तीसरे दिन रहा। इस दिन प्रातः कालीन सत्र में कार्यक्रम की शुरूआत डिग्री कॉलेज यदुवंशी नारनौल प्राचार्य बजरंग लाल ने रेडक्रॉस के संस्थापक सर जीन हैनरी ड्यूनेन्ट के चित्र पर पुष्प अर्पित करके की।

इस अवसर पर कैम्प प्रभारी टेकचंद यादव डिवीजनल कमांडर सेंट जॉन एम्बुलेंस ने प्राथमिक सहायता के उद्देश्य कार्यक्षेत्र के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि किसी दुर्घटनाग्रस्त या घायल व्यक्ति को किसी विशेष अवस्था में डॉक्टर के पास पहुंचाने से पहले उपलब्ध साधनों के माध्यम से उपचार देकर जीवन बचाना प्राथमिक सहायता है। उन्होंने बताया प्राथमिक सहायता का मुख्य लक्ष्य अचानक बीमार, घायल, दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति के दर्द को कम करना और उसकी चोट को आगे बढ़ने से रोकना है।

नैतिक शिक्षा, नैतिक मूल्यों विषय पर बताया

पूर्व जिला बाल कल्याण अधिकारी विपिन शर्मा ने प्रतिभागी प्रशिक्षणार्थियों को नैतिक शिक्षा, नैतिक मूल्यों पर आधारित विषय पर विस्तार से बताया। प्रशिक्षण शिविर में प्राथमिक सहायता प्रवक्ता पवित्रा यादव, डॉ हंसराज गुर्जर, सरताज यादव, सुनीता, लतिका यादव, नीरू यादव, डॉ सुषमा यादव, कमलेश,अनिल कुमार शर्मा, प्रोफेसर सुनील कुमार के अलावा रेड क्रॉस सोसाइटी से सुनील कुमार, सुरेन्द्र शर्मा, संदीप व्यास उपस्थित थे।

नशा अवसाद चिंता व गुस्से का कारण : मुकेश

इस मौके पर विजय यादव जेआरसी काउंसलर ने सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा के नियमों का पालन करने और लापरवाही से वाहन चलाने से प्रत्येक वर्ष होने वाली दुर्घटनाओं एवं यातायात के नियमों का उल्लंघन करने पर होने वाली जुर्माना राशि के बारे में बताया। मुकेश कुमार जेआरसी काउंसलर ने नशे के दुष्प्रभावों के बारे में बताते हुए कहा कि नशा करने से शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। मानसिक रूप से व्यक्ति अवसाद चिंता व गुस्से का शिकार हो जाता है तथा सामाजिक प्रतिष्ठा नष्ट हो जाती है। स्वस्थ जीवन शैली, नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, अधिक पानी पीना, पर्याप्त नींद लेना नशा छोड़ने में सहायक हो सकता है।

नारनौल। नए शैक्षणिक ब्लॉक का उद्घाटन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

विद्या देवी इंटरनेशनल स्कूल में नए शैक्षणिक ब्लॉक का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नए शैक्षणिक ब्लॉक के उद्घाटन के उपलक्ष्य में विद्या देवी इंटरनेशनल स्कूल में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत, रिबन कटिंग और मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इस अवसर पर सोलो डांस, कविता पाठ, भाषण और ड्रॉइंग जैसी विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें अन्य विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिताओं के विजेताओं को चेयरमैन तेजपाल यादव, सचिव विद्या देवी और डायरेक्टर विक्रांत यादव द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर प्रधानाचार्य राजकुमार यादव, कोऑर्डिनेटर मंजू राय व सुरेंद्र प्रियंका, नरेंद्र, अनीता, रेखा, ज्योति कोऑर्डिनेटर पवन एवं समस्त स्टाफ भी उपस्थित रहे।

सतनाली कॉलेज में लगाया एनएसएस शिविर

सतनाली मंडी। राजकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय सतनाली में एक दिवसीय एनएसएस शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डा. जरनैल सिंह ने कहा कि ऐसे शिविर युवाओं में सेवा, अनुशासन और नेतृत्व के गुण विकसित करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आपराधिक कृत्यों व नशे से दूर रहने को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नशा युवाओं के भविष्य को अंधकार में ले जाता है। इस अवसर पर एनएसएस यूनिट एक व दो के प्रभारी डॉ. हरिओम शर्मा व डॉ. प्रीति सिंह ने स्वयंसेवकों को स्वच्छता, समाजसेवा एवं राष्ट्र सेवा के प्रति जागरूक करते हुए सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

सार्वजनिक सूचना

मैं, प्रमोद कुमार पुत्र श्री रामअवतार निवासी धोलेडा, तह. नांगल चौधरी, जिला महेंद्रगढ़ मेरी पुत्री भावना कुमारी मेरे कहने से बाहर है व बिना बताए घर से चली गई है जिसे मैं अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं । इसके द्वारा किए गए कार्य एवं लेनदेन की यह स्वयं जिम्मेदार होगी, मेरा व मेरे परिवार का इससे कोई वास्ता नहीं होगा ।

खबर संक्षेप

जिलाधीश ने चाइनीज मांझा पर लगाया प्रतिबंध

नारनौल। जिलाधीश कैप्टन मनोज कुमार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महेंद्रगढ़ जिले में सिंथेटिक और खतरनाक पतंग उड़ाने वाले धागे पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन के संज्ञान में आया है कि पतंगबाजी के दौरान नायलॉन, प्लास्टिक या कांच और धातु की कोटिंग वाले धागे के उपयोग से इंसानों और पक्षियों को गंभीर चोटें लग रही हैं।

12 को हड़ताल में शामिल होंगे यूनियन कार्यकर्ता

नारनौल। श्रमिक विरोधी 4 लेबर कोड्स लागू करने के विरोध में देश की 10 बड़ी ट्रेड यूनियनों के बुलावे पर नौ जनवरी को पारित प्रस्ताव के निर्णय अनुसार 12 फरवरी को राष्ट्रव्यापी हड़ताल होने जा रही है, जिसमें एआईयूटीयूसी से जुड़ी यूनियन के कार्यकर्ता भी शामिल होंगे। इस संबंध में भवन निर्माण कारीगर मजदूर यूनियन हरियाणा सम्बंधित एआईयूटीयूसी सहित सभी यूनियन बढ़ चढ़ कर भाग लेंगे।

स्कूल में कराया शौचालय का निर्माण

नारनौल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पटीकरा में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा गोस्वामी मार्केट की ओर से बैंक की सीएसआर योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों की सुविधा हेतु दो लाख रुपये की लागत से शौचालय का निर्माण कराया गया। इस अवसर पर छात्राओं के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए 100 सेनेटरी नैपकिन का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की ओर से शाखा मुख्य प्रबंधक रामनिवास नाहरवाल, मुख्य प्रबंधक जगलाल हरजीत सिंह, सीनियर असिस्टेंट रवि कुमार तथा क्षेत्रीय कार्यालय के प्रबंधक एचआर अरुण कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे।

अनुशासन का नाम ही भाजपा: रामबिलास शर्मा

महेंद्रगढ़। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रोफेसर रामबिलास शर्मा ने दक्षिण हरियाणा के नेताओं के बीच चल रही जुबानी जंग को लेकर उठ रहे सवालों पर विराम लगा दिया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी है, जहां हर व्यक्ति को अपनी बात रखने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि नेताओं के अलग-अलग विचारों को गुटबाजी या फूट समझना गलत है, क्योंकि यह 'वन मैन शो' नहीं, बल्कि एक जीवंत लोकतंत्र है। जहां मर्यादा में रहकर असहमति दर्ज करना अनुशासनहीनता नहीं कहलाती। शर्मा का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब 2024 के चुनाव में उनका टिकट कटने से उनके समर्थकों में भारी मायूसी देखी जा रही है।

श्रीराम कथा में संतों के दर्शन से जनता हुई अभिभूत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जोरासी धाम श्रीश्याम मंदिर परिसर में आयोजित 151 कुंडीय सहस्त्र चंडी महायज्ञ एवं श्रीराम कथा के छठे दिन वीरवार को भी कथा स्थल पर भव्य संत समागम देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरूआत आर्यवर्त सेवा न्यास के संस्थापक विनीत पिलानिया ने परिवार सहित जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य का विधिवत पूजन कर की। मंच पर मौजूद बड़े संतों सहित किन्नर समाज के लोगों ने भी जगद्गुरु रामभद्राचार्य का माला पहनाकर स्वागत सत्कार किया।

कथा की शुरुआत से पहले जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कथा से पहले कहा कि आज जया एकादशी है, जो आज की कथा सुन लेगा वह कभी पराजित नहीं होगा। वही रामभद्राचार्य ने सीताराम जय सीताराम के कीर्तन की महिमा का बखान करते हुए कहा कि यह इतना सुंदर कीर्तन है कि इसको गाने से दिल की समस्या कभी नहीं होगी, क्योंकि वह खुद इसके जीते जागते उदाहरण हैं। श्रीराम कथा में देशभर से आए प्रसिद्ध संतों की मौजूदगी को देखकर स्वामी रामभद्राचार्य के उत्तराधिकारी आचार्य रामचंद्र दास ने कहा कि एक माघ मेला प्रयागराज में चल रहा है, तो वही यहां का नजारा देखकर लगता है कि दूसरा मेला जोरासी धाम में लग रहा है।

नारनौल। कथा सुनाते जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य। फोटो: हरिभूमि

आशीर्वाद लेने पहुंचे कई दिग्गज नेता

हरियाणा भाजपा के संगठन महामंत्री फणेंद्रनाथ शर्मा, विराट नगर कोटपूतली से पूर्व विधायक इंद्राज सिंह गुर्जर, कोटपूतली से विधायक महेश सोढ़ा, नलवा से विधायक रणधीर पनिहार, विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव, दादरी से भाजपा नेता व पूर्व जिला अध्यक्ष किरन कलकल समेत कई भाजपा व कांग्रेस के नेताओं ने भी आशीर्वाद लिया।

जोरासी में लगा संतों का समागम

कथा के छठे दिन मंच पर देश के विख्यात संत महात्माओं की मौजूदगी देखने को मिली। इनमें विनीत पिलानिया के गुरु पश्चिम पीठाधीश्वर शेष मठ सिंगडा कौशलेंद्र मठ पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी, वैदेही वल्लभ देवाचार्य महाराज जौधपुर, महामंडलेश्वर हरिचेतन दास, अयोध्या धाम से जगद्गुरु स्वामी वल्लभाचार्य, दिल्ली से महामंडलेश्वर स्वामी नवल किशोर दास, हरिद्वार से महामंडलेश्वर स्वामी विष्णु दास, महामंडलेश्वर स्वामी हठयोगी महाराज, महंत प्रेमदास महाराज, वृंदावन धाम से श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर गोपी कृष्ण दास महाराज, महामंडलेश्वर जगदीश आनंद जोधपुर, महामंडलेश्वर चंद्रमादास, महामंडलेश्वर फूल डोड़ महाराज, महामंडलेश्वर प्रेमदास महाराज रामानंद आश्रम, महामंडलेश्वर विष्णु दास महाराज समेत कई बड़े संतों की मौजूदगी देखने को मिली।

6 साल के बाल ब्रह्मचारी रहे आकर्षण का केंद्र

गोवर्धन धाम से जोरासी पहुंचे छह साल के बालब्रह्मचारी संत भगवत दास श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहे। श्रद्धालुगण छह साल के छोटे चंचल बाल ब्रह्मचारी के साथ एक फोटो खिंचवाने के लिए उत्साहित नजर आए।

आपसी अविश्वास और टकराव बढ़ने की आंशका

यूजीसी एक्ट के विरोध में राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भेजा

छात्रों और शिक्षकों के भविष्य के साथ खिलवाड़, जांच टीम में कम से कम दो सामान्य वर्ग के भी सदस्य हों

यूजीसी कानून शिक्षा में समाज को जाति, वर्ग एवं समुदायों में बांटने का कार्य कर रहा है

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

अटेली मंडी में वीरवार को यूजीसी एक्ट 2026 के विरोध में तहसीलदार कार्यालय में राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि हम देश के जागरूक नागरिक, शिक्षक, छात्र एवं सामाजिक कार्यकर्ता यह ज्ञापन प्रस्तुत कर रहे हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यूजीसी द्वारा हाल ही में लाए गए नए नियम कानून देश की शिक्षा व्यवस्था, सामाजिक समरसता एवं संविधान की मूल भावना के विपरीत प्रतीत होते हैं। यह यूजीसी कानून शिक्षा में समान अवसर प्रदान करने के स्थान पर समाज को जाति, वर्ग एवं समुदायों में बांटने का कार्य कर रहा है। इसमें स्वर्ण समाज, दलित, ओबीसी एवं आदिवासी समाज के बीच आपसी अविश्वास और टकराव बढ़ने की आंशका है। जब देश को सामाजिक एकता और समरसता की सबसे अधिक आवश्यकता है, तब ऐसे नियम समाज को विभाजित करने का कार्य कर रहे हैं। यह कानून न केवल छात्रों और शिक्षकों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है, बल्कि संविधान के अनुच्छेद 14, जिसमें समानता का अधिकार, अनुच्छेद 15 जिसमें भेदभाव निषेध और अनुच्छेद 21, जिसमें सम्मानपूर्वक जीवन का अधिकार की भावना को भी ठेस पहुंचाता है। पहले से लागू विभिन्न कानूनों एवं व्यवस्थाओं के होते हुए इस नए कानून की आवश्यकता और मंशा पर गंभीर प्रश्न खड़े होते है। ज्ञापन में मांग की कि यूजीसी द्वारा लाए गए इस काले कानून एवं नियम को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए। शिक्षा में जुड़े किसी भी नए कानून को लागू करने से पूर्व सभी वर्गों, शिक्षाविदों एवं सामाजिक संगठनों से आपक विचार–विमर्श किया जाए। उच्च शिक्षा व्यवस्था की सामाजिक न्याय, समानता और समरसता के मूल सिद्धांतों के अनुरूप सुरक्षित किया जाए। अगर शिकायत फर्जी पाई जाती है तो उसके खिलाफ भी कठोर कार्यवाही की जाए। जांच के लिए जो टीम गठित होगी, उसमें कम से कम दो सामान्य वर्ग के भी सदस्य हो।

मंडी अटेली। अटेली तहसीलदार कार्यालय में विरोध करते हुए। फोटो: हरिभूमि

कोई भी कानून समावेशी होना चाहिए

सामान्य वर्ग के लोगों के साथ कोई जातिसूचक और शोषण हो तो उसके लिए भी सजा का प्रावधान हो। कोई भी कानून समावेशी होना चाहिए। किसी के खिलाफ पक्षपातपूर्ण नहीं होने चाहिए। इस मौके पर सुमेर सिंह, वीरसिंह, विनोद कुमार, अनिल, जॉनी, नरेंद्र, दीपक कुमार, अमन कुमार, समीर, प्रदीप, सुरेंद्र, जयसिंह, आनंद व निरंजन सिंह के अलावा अन्य मौजूद रहे।

नारनौल। यूजीसी नियमों में बदलाव के लिए ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो: हरिभूमि

यूजीसी नियम में बदलाव और पुनर्विचार के लिए सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

सर्व समाज एवं अधिवक्ताओं की ओर से श्री चौरासिया ब्राह्मण सभा जिला महेंद्रगढ़ के तत्वाधान में सभा के अध्यक्ष अनिल बवानिया एडवोकेट की अध्यक्षता में नगराधीश डॉ. मंगल सेन को एक ज्ञापन सौंपा गया। यूजीसी द्वारा लागू किए गए नए नियमों में बदलाव करने व उन पर पुनर्विचार करने हेतु यह ज्ञापन प्रधानमंत्री के नाम प्रेषित है। अधिवक्ता अनिल बवानिया ने कहा कि इन नियमों के वर्तमान स्वरूप लागू होने से उच्चत्तम शिक्षण संस्थानों में चयन एवं नियुक्ति प्रक्रिया के अंतर्गत अनुच्छेद 14, 15 व 16 में निहित समान अवसर के सिद्धांतों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। यूजीसी द्वारा उच्च शिक्षा से संबंधित प्रस्तावित नियमों व संशोधनों से ब्राह्मणों एवं सवर्ण समाज के शैक्षिक, बौद्धिक एवं मेरिट आधारित अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की गंभीर आशंका उत्पन्न हो गई है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सभा के पूर्व जिला प्रधान पवन शुक्ला, सूबेदार रोहताश शर्मा, महेंद्र जोशी, देवीलाल शर्मा, श्याम सुंदर गोस्वामी, बनवारी लाल शर्मा, रविदत्त शर्मा, मुकुल शर्मा, बलजीत सिंह चौहान, विकास शर्मा, अखिलेश कौशिक, कुलदीप भारद्वाज, दीपेंद्र गौड़, महेश दीक्षित, प्रवीण शर्मा, कमल शर्मा, रविकांत शर्मा, कृष्ण शर्मा व हितेश शर्मा आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सीजेएम ने विधवा सेल के संबंध में ली अधिकारियों की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जिला विधिक, सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) नीलम कुमारी ने वीरवार अपने कार्यालय में विधवा सेल के संबंध में अधिकारियों की बैठक की तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सीजेएम नीलम कुमारी ने बैठक में विधवा महिलाओं को मिलने वाली सेवाओं की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विधवा महिलाओं को मूलभूत सुविधाएं और उनके अधिकार समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित किया जाएं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही पेंशन, ऋण और अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी पात्र महिलाओं को मिले, यह सुनिश्चित करना संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। सीजेएम नीलम कुमारी ने जिला समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि यदि पेंशन फार्म में किसी प्रकार की त्रुटि हो तो संबंधित महिलाओं को फोन के माध्यम से सुचित कर कमियों को दूर करवाया जाए।

नारनौल। अधिकारियों की बैठक लेती सीजेएम नीलम कुमारी। फोटो: हरिभूमि

निवारण: पारदर्शी, संवेदनशील तथा समयबद्ध तरीके से किया जाए

शिकायतों के निपटारे में तत्परता से काम करें अधिकारी: डीसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार वीरवार को महेंद्रगढ़ लघु सचिवालय स्थित एसडीएम कार्यालय कोर्ट रूम में डीसी कैप्टन मनोज कुमार की अध्यक्षता में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। डीसी कैप्टन मनोज कुमार ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि हर नागरिक की शिकायत को गंभीरता से लिया जाए और उसका निवारण पारदर्शी, संवेदनशील तथा समयबद्ध तरीके से किया जाए। इस शिविर में कुल 49 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से अनेक शिकायतों का समाधान मौके पर किया गया और शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को सौंपकर उनके निस्तारण के लिए स्पष्ट समय सीमा तय की गई। इस दौरान कोथल खुर्द गांव के लोग गांव के जोहड़ के ओवर फ्लो होने के कारण जल भराव की समस्या लेकर पहुंचे जिस पर डीसी ने खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी को समस्या का जल्द से जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार दुलौठ अहीर गांव से आए ग्रामीणों ने गलियों व रास्तों की गलत पैमाईश की समस्या रखी जिस पर डीसी ने पंचायत विभाग को मामले की सही जांच करने के निर्देश दिए। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा किया जाए और नागरिकों को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

महेंद्रगढ़। परिवादों की सुनवाई करते डीसी कैप्टन मनोज कुमार। फोटो: हरिभूमि

विश्वविद्यालय में डिजिटल मुद्रा एवं हरित अर्थव्यवस्था पर केंद्रित पुस्तक का विमोचन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर एवं अधिष्ठाता प्रो. रंजन अनेजा द्वारा संपादित पुस्तक 'डिजिटल करंसीज एंड द ग्रीन इकोनोमी: अपोर्च्यूनिटीज एंड चेलेजेज इन एचिविंग सस्टेनेबल डेपलपमेंट गोल्स' का विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने विमोचन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के निदेशक प्रो. सुरेंद्र कुमार, उप-कुलसचिव राधेश्याम सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। प्रो. टंकेशवर कुमार ने प्रो. रंजन अनेजा को इस अकादमिक एवं नीति-प्रासंगिक कृति के संपादन हेतु बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक ऐसे समय में अत्यंत महत्वपूर्ण है, जब वित्तीय डिजिटलकरण और सतत विकास की आवश्यकताए वैश्विक आर्थिक शासन को नया स्वरूप दे रही हैं। कुलपति ने कहा कि यह पुस्तक डिजिटल मुद्राओं पर पारंपरिक चर्चाओं से आगे बढ़कर उन्हें पर्यावरणीय स्थिरता, समावेशी विकास और वैश्विक विकास लक्ष्यों के व्यापक संदर्भ में प्रस्तुत करती है। ऐसे शोधपरक प्रकाशन विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय अकादमिक प्रतिष्ठा को सुदृढ़ करते हैं।

पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़: एसपी

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

लाला लाजपत राय पशु-चिकित्सा एवं पशु-विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा के दिशा-निर्देशन में हरियाणा पशु विज्ञान केंद्र द्वारा पाली गांव में महिला पशुपालकों के लिए एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम पशु ज्ञान दिवस आयोजित किया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि पशुपालन न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, बल्कि यह महिला सशक्तिकरण का सबसे सशक्त माध्यम भी है। इस दौरान उन्होंने महिलाओं को डायल 112 ट्रिप मॉनिटरिंग सेवा की भी जानकारी दी। क्षेत्रीय निदेशक डॉ. आनंद कुमार पाण्डेय की देखरेख में आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन वैज्ञानिक डॉ. देवेन्द्र सिंह व डॉ. ज्योति सूंठवाल द्वारा किया गया। डॉ. ज्योति शूंठवाल ने पशुपालकों को संबोधित करते हुए कहा की देश की उन्नति में महिला पशुपालकों का अहम् योगदान है, शिक्षित युवाओं और महिलाओं को वैज्ञानिक ढंग से प्रशिक्षण लेकर इस व्यवसाय को अपनाना चाहिए। कार्यक्रम में शामिल महिलाओं को संबोधित करते हुए वैज्ञानिक ने कहा की प्रशिक्षित महिलाएँ पशुपालन को आगे ले जा सकती हैं।

महेंद्रगढ़। पशुपालक महिला को सम्मानित करती एसपी पूजा वशिष्ठ। फोटो: हरिभूमि

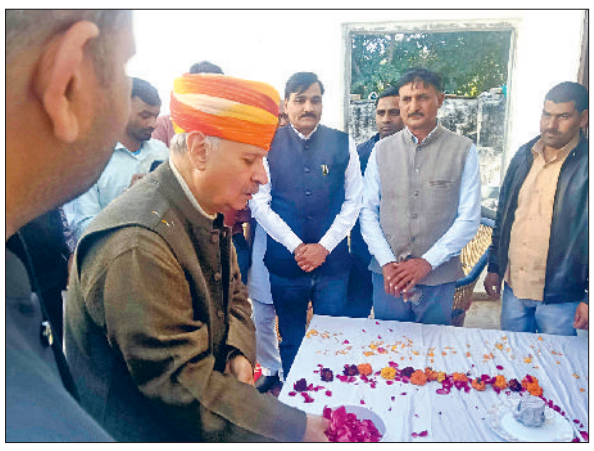

नांगल चौधरी। रामजीलाल जेलदार की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते केंद्रीय मंत्री।

परोपकार करने वाले मृत्यु के बाद भी लोगों के दिलों में रहते हैं जीवित: राव इंद्रजीत सिंह

नांगल चौधरी। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने मौरूड गांव में समर्थक रहे रामजीलाल जेलदार को श्रद्धांजलि दी। उनकी जीवनी का उल्लेख करते हुए युवाओं को सामाजिक मर्यादाओं के अनुसरण का संदेश दिया। साथ ही बुजुर्गों की सेवा करने तथा उनके अनुभव को दैनिक दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया। जिससे समाज में आपसी भाईचारा व प्राचीन संस्कृति विकसित हो सकेगी। इस दौरान नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि रावत गौत्र के 12 गांवों का इतिहास गौरवशाली रहा है। गुर्जर बाहुल्य गांवों में भारतीय संस्कृति और सिद्धांतों का समावेश है। जिसके प्रभाव में ग्रामीणों में भाईचारे की मिशाल बनी हुई है। नश्वर संसार में जन्म लेने वाले इंसान की मृत्यु होना निश्चित है, लेकिन परोपकार व सद्कर्म करने वाले मृत्यु के उपरांत भी लोगों के दिलों में जीवित रहते हैं। दिवंगत रामजीलाल की जीवनी सामाजिक दायित्वों से जुड़ी रही हैं। उन्होंने 12 गांवों पर जेलदारी करते हुए हमेंशा जरूरतमंदों के अधिकारों को प्राथमिकता दी थी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मृत्यु के बाद भी लोगों के हृदय में जिंदा रहने के लिए दैनिक दिनचर्या में परोपकार भावना का समावेश करना अनिवार्य है। इससे पहले उन्होंने दिवंगत को श्रद्धांजलि दी तथा परिजनों को उनके सिद्धांतों के अनुसरण करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस मौके पर भाजपा के पूर्व जिला प्रधान दयाराम यादव, दिनेश मास्टर, छत्रपाल रावत, एडवोकेट अनिल मांदी, राजेंद्र प्रसाद भुंगारका, विकास बडकोदा, पूर्णचंद गोठड़ी, मंदीप एडवोकेट, राजू किलानिया, अमन तंवर पार्षद आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम | **अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हरियाणा प्रांत का 57वां अधिवेशन अंबाला में सम्पन्न**

एबीवीपी की स्टेट कार्यकारिणी में महेंद्रगढ़ से 6 प्रतिनिधियों को मिला दायित्व

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हरियाणा प्रांत का 57वां अधिवेशन अंबाला में सम्पन्न हुआ। इस संदर्भ में एबीवीपी के जिला संयोजक कमल रोहिल्ला ने इस मौके पर हरियाणा प्रांत की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई, जिमसें जिला महेंद्रगढ़ से छह प्रतिनिधियों को स्टेट कार्यकारिणी में दायित्व मिला है। इनमें एबीवीपी हरियाणा प्रान्त उपाध्यक्ष डा. विनय कुमार, प्रांत छात्रा प्रमुख डॉ. इंदु ठाकुर, एबीवीपी हरियाणा प्रान्त कार्यसमिति सदस्य डॉ. जगजीत जाखड़, एबीवीपी हरियाणा कार्य प्रमुख केन्द्रीय विश्वविद्यालय डॉ. रवि पांडे, स्कूली विद्यार्थी कार्य प्रान्त संयोजक कमल रोहिल्ला एवं प्रान्त कार्यकारिणी सदस्य सचिन कुमार शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अधिवेशन में प्रदेशभर से आए कार्यकर्ताओं की सक्रिय सहभागिता रही। अधिवेशन के उद्घाटन सत्र में विशेष रूप से पूर्व एचएसएससी चेयरमैन गोपाल सिंह खदरी, प्रसिद्ध रेसलर शेखी सिंह तथा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय मंत्री आदित्य टाकियार उपस्थिति रहे। अधिवेशन के उद्घाटन सत्र में आयोजित मुख्य उद्घाटन सत्र में प्रदेश के खेल मंत्री गौरव गौत्तम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री देवदत्त जोशी विशेष अतिथि रहे तथा अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित दीपक हुड्डा भी विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचासीन रहे। अधिवेशन के दौरान संगठनात्मक सत्र में हरियाणा प्रान्त अध्यक्ष के रूप में सुशील मेहता एवं प्रान्त मंत्री के रूप में प्रताप राणा जी की घोषणा की गई। इसके साथ ही परिषद द्वारा पर्यावरण संरक्षण, छात्र हितों तथा छात्रसंघ चुनाव से संबंधित महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए।

नारनौल। अधिवेश में मंचासीन एबीवीपी के पदाधिकारीगण। फोटो: हरिभूमि

'ॐ' की ध्वनि के साथ प्रस्ताव पारित

अधिवेशन के दूसरे दिन वैचारिक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री देवदत्त जोशी जी ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की वैचारिक पृष्ठभूमि, राष्ट्र निर्माण में छात्रों की भूमिका एवं संगठन की भावी दिशा पर मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रस्ताव सत्र में "ॐ" की ध्वनि के साथ प्रस्तावों को पारित किया गया। प्रान्त मंत्री द्वारा आगामी वर्ष में परिषद द्वारा चलाए जाने वाले नए कार्यक्रमों एवं योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।